University in News on 03 March 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

अब ग्रामीण विकास की भी पढ़ाई करेंगे लविवि के छात्र

सामाजिक कार्य विभाग स्नातक स्तर पर जनसंख्या अध्ययन के साथ ही चलाएगा कोर्स

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में अब जनसंख्या अध्ययन के साथ ही ग्रामीण विकास की भी पढ़ाई होगी। विश्वविद्यालय के सोशल वर्क विभाग ने कला संकाय की फैकल्टी बोर्ड की बैठक में इस पर मुहर लगा दी है। इसके साथ ही तीन पाठ्यक्रमों के नाम में बदलाव और परास्नातक के साथ ही स्नातक स्तर पर भी सामाजिक स्वास्थ्य की पढ़ाई एक विषय के रूप में शुरू करने का फैसला किया गया है।

तीन पाठ्यक्रमों के नाम और पाठ्यक्रम में किया गया बदलाव

लखनऊ विश्वविद्यालय में बीते सप्ताह हुई कला संकाय की फैकल्टी बोर्ड की बैठक में अन्य विभाग के साथ ही सोशल वर्क विभाग की बोर्ड ऑफ स्टडीज में पास हुए प्रस्ताव भी रखे गए। इन प्रस्तावों के अनुसार बीए में एक विषय के रूप में चल रहे जनसंख्या अध्ययन को अब जनसंख्या अध्ययन और ग्रामीण विकास के नाम से चलाया जाएगा। नाम के साथ ही इसके पाठ्यक्रम में भी बदलाव किया गया है।

विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश द्विवेदी के मुताबिक, एक विषय के रूप में ग्रामीण विकास की मांग तेजी से बढ़ रही है। इसलिए यह बदलाव किया गया है। एकेडमिक काउंसिल और कार्य परिषद से पास होने के बाद जुलाई में शुरू हो रहे नए सत्र से ये बदलाव प्रभावी हो जाएंगे।

इन पाठ्यक्रमों के बदले गए नाम

फैकल्टी बोर्ड ने इसके साथ ही मास्टर ऑफ पॉपुलेशन स्टडीज का नाम बदलकर पॉपुलेशन स्टडीज एंड रूरल डेवलपमेंट रखने, पीजी डिप्लोमा इन डिजास्टर रिलीफ एंड रिहैबिलिटेशन का नाम डिजास्टर रिस्क रेडक्शन और पीजी डिप्लोमा इन सोशल ड्यूटीज एंड ह्यूमन राइट्स का नाम पीजी डिप्लोमा इन ह्यूमन राइट्स रखने के प्रस्ताव पर भी मुहर लगाई है।

स्नातक स्तर पर होगी सामाजिक स्वास्थ्य की पढ़ाई

- लखनऊ विश्वविद्यालय में सामाजिक स्वास्थ्य अब स्नातक स्तर पर भी एक विषय के रूप में पढ़ाया जाएगा। इसमें 60 सीटें होंगी और इसके लिए हर सेमेस्टर तीन हजार रुपये फीस निर्धारित की गई है। यह व्यवस्था सत्र 2025-26 से लागू हो जाएगी।

विभाग में होंगे मेमोरियल लेक्चर

- फैकल्टी बोर्ड की बैठक में सोशल वर्क विभाग में दो मेमोरियल लेक्चर आयोजित करने का प्रस्ताव भी पास हुआ है। इसके तहत स्वर्गीय प्रो. सुरेंद्र सिंह और प्रो. आरबीएस वर्मा की याद में मेमोरियल लेक्चर शुरू किए जाएंगे। हर साल ये लेक्चर किसी विशेषज्ञ के माध्यम से विभाग में होंगे।

लविवि ने बच्चों को दी निशुल्क शैक्षिक सामग्री

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में स्थापित विधिक सहायता केंद्र की ओर से जरूरतमंद बच्चों को निशुल्क शैक्षिक सामग्री वितरित की गई। अधिष्ठाता डॉ. बीडी सिंह, सहायता केंद्र के अध्यक्ष डॉ. अभिषेक कुमार तिवारी के नेतृत्व में निराला नगर बस्ती में हुए इस कार्यक्रम के तहत स्वप्ना फाउंडेशन ने बच्चों को नियमित पढ़ाई के लिए प्रेरित किया। (संवाद)

i-NEXT PAGE 3

एलयू, गोरखपुर, अमेठी हॉस्टल सेमीफाइनल में

ओपन सीनियर प्रदेश स्तरीय आमंत्रण पुरुष हैंडबाल प्रतियोगिता

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (2 March): मेजबान लखनऊ और मऊ ने ओपन सीनियर प्रदेश स्तरीय आमंत्रण पुरुष हैंडबाल प्रतियोगिता में लीग मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए पूल में सर्वोच्च स्थान के साथ सेमीफाइनल में स्थान सुरक्षित किया. उत्तर प्रदेश खेल निदेशालय व क्षेत्रीय खेल कार्यालय के तत्वावधान में अटल बिहारी वाजपेयी बहुउद्देश्यीय हाल, केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित इस प्रतियोगिता में लखनऊ की टीम चार जीत के साथ पूल बी में शीर्ष पर रही, जबकि अमेठी हास्टल तीन जीत के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में पहुंची.

मुजफ्फरनगर को हराया

पूल ए में मऊ ने तीन जीत के साथ शीर्ष पर और गोरखपुर ने दो जीत के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए अंतिम चार में स्थान सुरक्षित किया. दूसरे दिन खेले गए लीग मुकाबलों में लखनऊ ने मुजफ्फरनर को 20-12 से हराया. गोरखपुर ने अयोध्या को 28-17 से, मऊ ने बुलंदशहर को 18-17 से और अमेठी हास्टल ने वाराणसी को 14-10 से शिकस्त दी.

सेमीफाइनल मैच आज

इस प्रतियोगिता में सोमवार को सुबह पहला सेमीफाइनल लखनऊ व गोरखपुर के बीच सुबह नौ बजे से और दूसरा सेमीफाइनल मऊ व अमेठी हास्टल के मध्य सुबह 10 बजे से खेला जाएगा. फाइनल मैच दोपहर 2:30 बजे से खेला जाएगा. लखनऊ की टीम से फाइनल मैच में बेहतरीन

बस्ती के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का कर रहे प्रयास

LUCKNOW (2 MARCH): लखनऊ यूनिवर्सिटी की लॉ फैकल्टी में विधिक सहायता केंद्र व स्वप्ना फाउंडेशन के सहयोग से निशातगंज की एक बस्ती का दौरा किया गया. जिसका उद्देश्य बस्ती में रहने वाली महिलाओं और बच्चों की स्थिति के बारे में समझना और उनके जीवन स्तर को सुधारने के लिए उनकी सहायता करना था.

समस्याओं को जाना

इस दौरे में ग्रुप के सदस्यों ने बस्ती की महिलाओं से बातचीत की और उनकी समस्याओं के बारे में जाना. बस्ती की महिलाओं और बच्चों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता की कमी सबसे बड़ी समस्या है. स्वप्ना फांउडेशन के सदस्यों और लॉ फैकल्टी की टीम ने बस्ती के बच्चों के साथ बातचीत की, उन्हें पढ़ाई की चीजें उपलब्ध करवाईं. बस्ती का दौरा करने वाली इस टीम का नेतृत्व फैकल्टी ऑफ लॉ के डीन प्रो. बीडी सिंह और विधिक सहायता केंद्र के अध्यक्ष डॉ अभिषेक कुमार तिवारी द्वारा किया गया.

HT PAGE 3

LU hosts reading session on stories' collection

LUCKNOW: A discussion on the collection of stories titled 'Rang Rang ke Dhaage', penned by senior journalist Ashutosh Shukla, was held at Lucknow University on Sunday.

At the event organised by Katharang, a local literary organisation, the university hosted the writer and renowned folk singer Malini Awasthi for a reading session and discussion on the writer's collection of stories published a few months ago.

Excerpts from the collection of stories were read out by Katharang founder Nutan Vashisht and the organisation member Anupama Sharad who also interviewed the author. While speaking on the author's work, Malini Awasthi said a unique perspective evident in it, saying, "While it is easy to identify a good writer, one can also see the journalistic lens and experience in the stories."

She also said the style of writing employed in some of the stories reminded her of great writer Munshi Premchand. She too chose an excerpt from the collection to read at the event. HTC

Malini Awasthi in a discussion with senior journalist Ashutosh Shukla. SOURCED

HINDUSTAN PAGE 7

निराला नगर की बस्ती पहुंची एलयू टीम

लखनऊ। एलयू के विधि संकाय की संस्था विधिक सहायता केंद्र व स्वप्ना फाउंडेशन की ओर सेनिराला नगर, निशातगंज की एक बस्ती का दौरा किया गया। विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. बीडी सिंह, विधिक सहायता केंद्र के अध्यक्ष डॉ. अभिषेक कुमार तिवारी के नेतृत्व हुए दौरे में बस्ती में रहने वाले बच्चो व परिवारों की स्थिति को समझा और उनका जीवन सुधारने के जरूरी सहायता भी दी।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

विधिक सहायता केंद्र ने किया निराला नगर बस्ती का सर्वेक्षण एवं शैक्षणिक सामग्री वितरण

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि के विधि संकाय में स्थापित प्रतिष्ठित संस्था विधिक सहायता केंद्र व स्वप्ना फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में रविवार को निराला नगर, निशातगंज की एक बस्ती का दौरा विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. (डॉ.) बी. डी. सिंह, विधिक सहायता केंद्र के अध्यक्ष डॉ. अभिषेक कुमार तिवारी के नेतृत्व व स्वप्ना फाउंडेशन के सहयोग मे किया गया। यह दौरा केंद्र के अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के संबंध में था जिसका उद्देश्य वहां रहने वाले बच्चों और परिवारों की स्थिति को समझना और उनके जीवन स्तर को सुधारने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करना करना था।

इस दौरे के दौरान केंद्र के सदस्यों ने बस्ती के निवासियों से बातचीत की और उनकी प्रमुख समस्याओं को समझने का प्रयास किया। शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी मुख्य चिंताओं में से एक रही। स्वप्ना फाउंडेशन के स्वयंसेवकों और हमारी टीम ने स्थानीय बच्चों के साथ समय बिताया, उन्हें शिक्षाप्रद सामग्री वितरित की और स्वच्छता के महत्व पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

शिक्षा प्रद सामग्री वितरित करने का उद्देश्य वंचित समुदाय के बच्चों को शिक्षा की कड़ी से जोड़ना था, सामग्री वितरित करने के साथ ही सभी सदस्यों ने बच्चों को बुनियादी शिक्षा के बारे में जानकारी दी व अपने अनुभवों को भी बच्चों से साझा किया। बच्चों की स्थिति में यथासंभव सुधार हेतु सर्वेक्षण के माध्यम से उनके द्वारा बताई गई समस्याओं को दर्ज किया गया व निवारण हेतु योजनाएं बनाई गई। प्रश्नावली के माध्यम से उनके द्वारा बताई गई बुनियादी जानकारियों को अंकित किया गया। इसके अतिरिक्त बस्ती की महिलाओं से भी बात की गई व उनके द्वारा बताई गई समस्याओं को भी नोट किया गया।

विधिक सहायता केंद्र का लक्ष्य वंचित समुदायों को बेहतर जीवन प्रदान करना है। इस दौरे के माध्यम से हमने जमीनी हकीकत को नजदीक से देखा और उनके लिए सार्थक प्रयास करने की योजना बनाई।

JAGRAN CITY PAGE III

लखनऊ विश्वविद्यालय में खुलेगा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस विभाग

- लवि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विभाग खोलने की सिफारिश
- छात्र-छात्राओं को मिलेगा इस तकनीक में अध्ययन का मौका

जागरण संवाददाता • लखनऊ: आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआइ) तेजी से शिक्षा प्रणाली का अभिन्न हिस्सा बनता जा रहा है। इसी क्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय की फैकल्टी बोर्ड की बैठक में एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में विश्वविद्यालय में 'आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस' विभाग की स्थापना की सिफारिश की गई, जिससे छात्र-छात्राओं को इस उभरती हुई तकनीक में गहन अध्ययन का अवसर मिलेगा।

एआइ न केवल तकनीकी क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है, बल्कि चिकित्सा, वित्त, रक्षा, कृषि और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में भी अपनी उपयोगिता साबित कर रहा है। विश्वविद्यालय में एआइ विभाग स्थापित होने से विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग, डेटा साइंस, रोबोटिक्स और आटोमेशन जैसी आधुनिक तकनीकों की समझ विकसित करने का अवसर मिलेगा। इस पहल से छात्र-छात्राओं को नए जमाने की तकनीकों से लैस किया जाएगा, जिससे वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम होंगे। उद्योग जगत की बढ़ती मांग को देखते हुए एआइ क्षेत्र में कुशल प्रोफेशनल्स की जरूरत तेजी से बढ़ रही है। यह कदम विद्यार्थियों को बेहतर करियर संभावनाएं देने में सहायक होगा।

बढ़ेंगी बीटेक की सीटें: मौजूदा समय में बी.टेक (कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) पाठ्यक्रम में 120 सीटों पर प्रवेश लिए जाते हैं। बैठक में इस कोर्स में 60 सीटों की वृद्धि करने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी गई, जिसे जल्द ही विश्वविद्यालय की विद्या परिषद के समक्ष रखा जाएगा। यदि इस प्रस्ताव को अंतिम स्वीकृति मिलती है, तो यह विश्वविद्यालय के लिए एक उपलब्धि होगी। हाल ही में राज्य सरकार के बजट में भी लखनऊ को एआइ सिटी बनाने के लिए बजट का प्रविधान किया गया है। ऐसे में यह निर्णय न केवल तकनीकी शिक्षा को नया आयाम देगा, बल्कि प्रदेश को एआइ के क्षेत्र में एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने में भी योगदान देगा। संकायाध्यक्ष प्रो. एके सिंह की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पूर्व निदेशक एचबीटीआइ कानपुर प्रो. जेएसपी राय, आइआइटी बीएचयू के प्रो. वीरेंद्र कुमार, आइईटी लखनऊ के निदेशक प्रो. विनीत कंसल, सोमा आईसोलेक्स के वाइस प्रेसीडेंट इंजीनियर प्रियरंजन शर्मा, टेक्नो इंडिया के सीएमडी अजय सिंह सहित लखनऊ विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्रमुख शामिल थे।